



JUNE

2024



**नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार**

Find solution, end water supply woes, demand residents

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Reeling under a water crisis for the past several days, the people of Indiranagar are demanding a permanent mechanism to tackle problems with the water supply from Kathauta lake, which occurs twice a year due to maintenance of the Indira Canal.

Residents explained that the canal, which supplies water to Kathauta lake—the main source of water for the area—undergoes a cleaning and maintenance process twice a year by the irrigation department. This disrupts the water supply to the canal, causing the water level in Kathauta lake to drop significantly. This drop, in turn, leads to major water shortages in Indiranagar and Gomtinagar areas. Although the LMC tries to mitigate the issue by sending water tanks, a lasting solution is needed.

Expressing his concerns, Ram Rakshpal Singh, a resident of Indiranagar Sector 15, said, "When the water crisis occurs every year, there should be an alternative mechanism to maintain the water supply. The water table is going down, rendering tube wells ineffective. The authorities should make efforts to restore them."

Over 3K Jal Sewa Kendras to quench thirst

Amid the scorching heatwave, the Jal Jivan Mission has decided to set up over 3000 Jal Sewa Kendras across all districts to provide cool drinking water to people. The initiative, which is supported by NGOs and private companies, is already active in rural areas and will now be expanded in urban areas as well. Principal secretary Namami Gange and rural water supply department Anurag Srivastava issued directives on Friday to ensure that the services begin from June 1. Special emphasis will be given to religious cities like Ayodhya, Varanasi, Prayagraj and Mathura, keeping in view the high number of tourist footfall.

Manoj Arya, GM of Jalkal, Lucknow, said, "To address the water shortage permanently, we are preparing a proposal for desilting Kathauta lake and reboring existing tube wells in the area. This can provide a proper solution to the water crisis. Hopefully, the proposal will be passed and the people of the area will enjoy an uninterrupted supply soon."

श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे तीन हजार जल सेवा केन्द्र

राजदेश समाचार ■ लखनऊ

बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलायाएगा ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े घाउं की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेषताएं पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों और धार्मिक स्थलों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल के उत्तम बनाने की ये सेवा पूरी तरह से नियुक्त होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कर्पनियां और एजेंसियों द्वारा होगा। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गर्मी विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों



की संख्या : अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और मुख्य धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी : जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से ऐसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लूं लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन : जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सलाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है।



‘पानीकीसप्लाईरुकीतोअफसरोंकीखैरनहीं’

जागरूकता

कानपुर देहात, संवाददाता। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को जननद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली।

- एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार
- पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया

उन्होंने गंबा में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गंबा में बाधित

हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें। प्रमुख सचिव के तेवर देख अफसरों में हड़कंप मचा नजर आया। प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर पृष्ठताल की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश

दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए। प्रमुख सचिव ने गंबा में नल खुलूँ होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के करण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त दिखा।



**Facul
& Tec**

पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं : प्रमुख सचिव

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर देहात। हर घर जल योजना के तहत की जा रही आपूर्ति कई जगह बदहाल है। अक्सर लीकेज होने से आपूर्ति ठप रहने व कहीं घरों तक पानी न पहुंचने की शिकायतें आ रही हैं। शुक्रवार को निरीक्षण करने आए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने मैथा ब्लॉक के भुजपुरा में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण कर अफसरों के पेच कसे। कहा कि जल आपूर्ति बाधित हुई तो जिम्मेदारों की खैर नहीं है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी। जेल भेजने तक की चेतावनी दी।

प्रमुख सचिव को निरीक्षण में कई खामियां मिली। मौजूद कुछ लोगों ने पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़क खुदी छोड़ देने की शिकायत की। इस पर उन्होंने जिम्मेदारों से नाराजगी जताई। कहा कि पाइप लाइन डालने के तुरंत बाद सड़कों की मरम्मत करवाई जाए। पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो



भुजपुरा में जल जीवन मिशन योजना की जानकारी लेते नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव। स्रोत: सूचना विभाग

नमामि गंगे के प्रमुख

सचिव ने किया

परियोजनाओं का निरीक्षण

अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक सीधे जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो मुकदमा और जेल जाने की तैयारी भी कर लें। प्रमुख सचिव ने गांव की महिलाओं से पानी के महत्व व दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियों के बारे में पूछताछ की। जवाब न मिलने पर उन्होंने

महिलाओं को जानकारी भी दी। उन्होंने अधिकारियों को बारिश शुरू होने से पहले गांव में दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण नल खुले छोड़ कर पानी बर्बाद न करें। पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी।

जलापूर्ति में बाधा होने पर होगी कार्रवाई : प्रमुख सचिव

जल जीवन मिशन योजना का **निरीक्षण** करने पहुंचे मैथा ल्लाक के भुजपुरा

जारी कानपुर देहतः नमामि गंगे एवं
ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख
सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार
को मैथा ल्लाक की ग्राम पंचायत
भुजपुरा परियोजना का निरीक्षण किया।
उन्होंने कहा कि जलापूर्ति में कहीं
बाधा हुई तो जिम्मेदार पर कार्रवाई की
जाएगी। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों
को सड़क मरम्मत न करने की
लापत्तवाही पर भी फटकार लगाई।

प्रमुख सचिव ने कहा कि
पाइपलाइन डालने के तुरंत बाद से ही
सड़कों की मरम्मत कराई जानी
चाहिए। पानी की आपूर्ति गंगों में
बाधित हुई तो अफसरों की खें नहीं
होगी। जलापूर्ति विभाग होने पर
एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे।
चेतावनी देते हुए कहा कि हालात
अगर जल्द नहीं सुधरे तो
एकआर्टिआर और जल जाने की
तैयारी कर लें। प्रमुख सचिव ने
महिलाओं से पानी के महत्व को
लेकर बात की। उन्होंने महिलाओं से
दृष्टिपानी से होने वाली बोमारियों



भुजपुरा में निरीक्षण के दौरान जनकरी लेते नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के
प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव दास। सौ. रिकाब

की जानकरी पीछे ले। सथ चल रहे
जीवन देने वाली हैं। किसी भी हाल में
अफसरों को निर्देश दिया कि वर्षा शुरू
होने से पहले ही गंगा-गंगा जागरूकता
ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी
अधियान चलाकर दूषित पेयजल के
स्वर्गसेसी संस्थाओं के साथ अफसरों
नुकसान की जानकारी दी जाए। नल
की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की
खुले होने से रोजान होने वाली पानी
खाली दौड़ी के कारण सड़कों की मरम्मत
की बवांदी से अफसरों को संचरत
को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया
किया। कहा कि पानी की हर यंत्र
सख्त रहा।

राहगीरों, श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएँगे तीन हजार जल सेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केन्द्र, जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से होंगे नि:शुल्क

लखनऊ (स्वरूप चूरा) | बढ़ती गर्मी में सावधानिक स्थानों और घोड़े भाड़ वालों जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े आउट की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा सफापानी मिल सकेगा। विशेषज्ञ पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस एंटर्टेनमेंट, बाजारों, मरियां और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े हल्के, कपनियां और एजीमियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि

गणी विभाग के प्रभुव उचित अनुसार



संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में

राम चैरिटी और प्रभुव धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी शहरों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं

को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बदेवस्त

वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किया जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकगा साफ ठंडा पानी। जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा।

मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से ऐसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन। जल जीवन मिशन के तहत अपील तक गांवों में पानी सल्लाह की व्यवस्था देखता है। मगर ये वहाली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। द्रअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपे गई है।

ण सिटी लखनऊ



राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय पर सुंदर कांड एवं विशाल भंडारे का आयोजन
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के गोमतीनार स्थित कार्यालय पर सुंदरकांड पाठ एवं
विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ● आयोजक

**जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे
पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं**

कानपुर। नमस्ति गंगे एवं ग्रामीण जलाधृति विभाग के प्रमुख सचिव अनुरोग श्रीवालसन ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दीरा गया। दीरा दीरां उड़हन मैथा लाक्क जो की ग्राम पंचायत भुजुलु परिवार जन बंद जीवन मिलन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी ठंकी, पांप, समें पानी को आंच करने वाली टीम से जाकरानी भी ली। उड़हने की कोई की जांच एवं जागरूकता टीम से जाकरी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पांडपलाइन डेनर के तुरंत बाद से ही मिथकों को मरम्मत करने जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यानी कोई स्लॉट-मार्ग में वापिश हुई तो असरमें की खीर नहीं होगी। जलासृत वाधिय होने पर ऐसीसीयों के



संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं

पृष्ठताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी

दृष्टिपूर्वक ये जल की तरफ आया। श्रीवास्तवन ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की अपेक्षाएँ से अझकरणों को सबसे कठिन किया। उत्तरीने कहा गया कि यह बहुत जोड़ा देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बढ़ावाई नहीं होनी चाहिए। यामोण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवा संस्थाओं के साथ अपनायें की भी है। सड़कों पर पारपलाइन की सुरुई के कारण सड़कों का रवैया सबका रहा। प्रश्नकार सचिव में बताया कीं गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पित है। बहुत सारे गांव में पानी की सराई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान एक नारी टॉपी, पर्स, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से कानूनकरी ली।

卷之三

तीन हजार प्याऊ लगवाएगा जल जीवन मिशन

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : भीषण बढ़ती गर्मी को देखते हुए जल जीवन मिशन शहरों में तीन हजार से अधिक जल सेवा केंद्र शुरू करने जा रहा है। ये जल सेवा केंद्र प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, शृद्धालुओं और आमजन को स्वच्छ ठंडा पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, मंदिर और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। इन केंद्रों का खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां ढाएंगी। नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहरों में 51 से अधिक जल सेवा केंद्र बनाए जाएंगे। छोटे जिलों में 40 जल सेवा केंद्र शुरू किए जाएंगे।

गर्मी में राहगीरों, श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे 3 हजार जलसेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र



विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊः बढ़ती गर्मी में सावजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल पुहैया दो सके, इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे जहाँ राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा।

विशेषज्ञ पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल वाले सभी गर्तनों पर हर 2 किलोमीटर की

पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंफर्मियां और एजेंसियाँ उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गोपी विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहाँ श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहाँ पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में यम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से

दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के सक्षम। आमतौर पर सावर्जनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बहेतर काम कर सकती हैं।

गर्मी में बिना खर्च राहगीरों, श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएगे तीन हजार जल सेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र

- अयोध्या राहित प्रमुख तीर्थ नरसिंह में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र होंगे स्थापित
 - योगी के निर्देश पर प्रमुख संचित नवायमि गये ने जारी किए दूर्धा निर्देश
 - जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से नि-शुल्क होंग

सत्य संगम सेवादाता



म लखनक। वहती गर्नी मे
ग सावर्जनिक स्थानों और भौद्ध भाद
न वाली जगहों पर रहायाँदौ को शुद्ध
क पैयजल मुद्देया हो सके। इसके
र जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से
त्र अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। वे

जल सेवा केंद्र एवं बड़े पाल की तरह काम करेंगे, जहाँ शरणार्थी, ब्रह्मलुभी और आम जन को गम्भीर में धैर्य के लिए ठंडा साथ देनी चाहिए। यहाँ पर एक दृश्य शरण देना चाहिए। इसके अलावा अपनी व्यवस्था बुरा हो गई है। सभी की शीर्षता पेपरबैक उल्लंघन कर रही है। यहाँ सेवा एवं तहसि न शुरू की गयी। यहाँ के पूर्ण सुर्खेत जल जीवन विस्तार में जुड़ा है।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अवधारा, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर हाथा ब्रह्मद्वारा और राहगीरों की सम्पत्ति अधिक है। वहाँ पर 51 से अधिक जल संग्रहीत केन्द्र बांधा जाएगा। अधिकतम से मात्र बढ़िया और प्रभुत्वापनकारी तरीके पर जलों की सीमा रोकती पर है 2 किलोमीटर की दूरी पर जल संग्रहीत केन्द्र बांधा जाएगा। इसके बायोटोपोलिसी के नाम से भी दीक्षित की जाएगी। हाँ कुछ जल की बंदरगाह वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी बिल्कुल जारी। इसके अलावा छोटे जलियों में 40 जल संग्रहीत केन्द्र बनूते जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केंद्रों का तात्पूर युग तो सभी को होगा। मारवाड़ इसका सबसे अधिक लाभ मरीचों को होगा। उन्हें दिना दिखो खुद के घर से बाहर भी साफ ठाठा पानी मिल सकेगा। अमरकुर पर सालनिक जगह पर जल सेवा केंद्र न होने की जगह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब जल धनी भी खरीदता है, जिसकी वजह से उसे लंग जाने का तरिका बन रहा है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन से करते अभी तक गांवों में पानी सलादी की व्यवस्था देखता है। इसमें ये पहली बार सेप्या जल विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था लाए रखने की उम्मीद करता है।

प्रतिकूल व्यक्ति का राजा। दरअसल प्रते के मानवों के में हर दोनों जो लोगों के साथ प्रयोग के बाहर जीवन विषय को उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा एक और बड़ी बात है कि यह किसी के बाहर पुरुषों के लिए एक ही टीम है, जो हम लिये से मिलता है। इस काम के लियाहों को उस दोनों की ओर दूसरा जल्दी की ओर भेजा करना चाहिए ताकि वहाँ

थुरू किए जाएंगे 3 हजार से अधिक जल सेवा केंद्र

लोगों को मिलेगा शुद्ध और
ठंडा पीने का पानी

LUCKNOW (31 MAY): भीषण बढ़ती गर्मी को देखते हुए जल जीवन मिशन शहरों में तीन हजार से अधिक जल सेवा केंद्र शुरू करने जा रहा है। ये जल सेवा केंद्र प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, शृद्धालुओं और आमजन को स्वच्छ ठंडा पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, मंदिर और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। इन केंद्रों का खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहरों में 51 से अधिक जल सेवा केंद्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर दो किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केंद्र बनाया जाएगा।

गर्मी में बिना खर्च राहगीरों, श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे तीन हजार जल सेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केन्द्र

लखनऊः बढ़ती गर्मी में सावनीनिक स्थानों और भौंड भाड वाली जगहों पर गर्मीयों को शुद्ध पेयजल मूँह या हाथ स्पैश करने के लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े यात्रक के तरह काम करेंगे, जहां गर्मीयों, श्रद्धालुओं और आम जन को गर्मी में बैठने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विषयालीय पर ये केन्द्र शहर के असामानी, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, मादारों और घासिंक स्थानों के पास लगाए जाएंगे।

पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शोतून एवं जल उपलब्ध कराने की ओर सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह एक विशेष और एकेसिव उदाहरण है। यह जल जीवन मिशन के निर्देश के अनुरूप है।

जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से निशुल्क होगा



अनुरूप श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या : अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ के बीच सहर जहां श्रद्धालुओं और गर्मीयों की सर्वज्ञ अपीक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे।

अयोध्या में गर्मीयों और श्रद्धालुओं को गर्मी में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी गर्मीयों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत करना हो। कुछ ऐसा ही बदेवत वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ के भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च

अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरियों में कम से कम 51 जल सेवा केन्द्र होंगे स्थापित

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमुख सर्विय नमामि गंगे ने जारी किए दिशा निर्देश

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मूँहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गर्मी में पानी सप्लाई को अवृत्त्या देताता है।

मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मूँहैया कराएगा।

दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर घर से जल पहुंचने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सभी गंगे हैं। इसके पीछे एक बड़ी बजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचने के लिए एक बड़ी टीम है,

जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की बजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

मिल सकेगा साफ ठंडा पानी : जल सेवा केन्द्र, न

केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर

होने की बजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं।

इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा।

इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है,

जिसको बजह से उसे तुं लगने का खतरा

बना रहता है।



जल जीवन मिशन का निरीक्षण करते प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ।

प्रमुख सचिव ने जल जीवन मिशन योजना का किया निरीक्षण

रनियां। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को मैथा तहसील के भुजपुरा गांव में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने भुजपुरा व परसौली गांव के लोगों से कहा कि अब उनके गांव में पानी की समस्या नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए पूर्णतया संकल्पित है। इसी क्रम में बहुत सारे गांवों में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। जिन गांवों में खारे पानी की समस्या है। वहां लगातार कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बनी टंकी का निरीक्षण कर गांव में पौधरोपण भी किया। इस दौरान जल निगम एक्सईएन एमके सिंह, ग्राम प्रधान नौशाद अहमद, भूरा कठेरिया, फहीम अहमद अख्तर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जल्द विकसित होंगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित: मुख्य सचिव

स्वदेश समाचार ■ लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को नमामि गंगे की बैठक गई। इसमें मंडल एवं जनपद स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित करने पर विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि शाही क्षेत्रों में भूजल संचयन चुनौती रहा है। जल संरक्षण न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की पीढ़ी के लिए भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न तरीकों के लाइब्रेरियन्स के माध्यम से आमजन को शिक्षित करने की जरूरत है, इसके लिये एक मॉडल तैयार कर मंडल एवं जनपद स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित किया जाए। पार्क में वर्षा जल संचयन की नवीनतम तकनीकी का उपयोग किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित किया जाये। पार्क में आने वाले बच्चों के लिए एक इंटरप्रिटेशन सेंटर होना चाहिए, जिसमें प्ले स्क्रीन पर बच्चों को जल संचयन के विषय पर जानकारी प्रदान करने हेतु फिल्म दिखाई जा सके। इसके अलावा एक ओपन



एआर थियेटर भी होना चाहिए, जिससे बच्चे वर्षा के जल संचयन की जानकारी प्राप्त कर सकें। इसके लिये ज्यादा से ज्यादा डिजिटल तकनीकी का प्रयोग किया जाये। इस पार्क के माध्यम से लोगों में वर्षा के जल संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के समस्त जिलों में मानसून के प्रारम्भ से पूर्व प्राथमिकता पर आवश्यकतानुसार वर्षा के जल को नष्ट होने से बचाने हेतु समस्त उपायों को समय से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय भवनों यथा कार्यालय भवन, प्राथमिक विद्यालय, आगंनबाड़ी केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पंचायत भवन, इत्यादि पर अनिवार्य रूप से रुफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना करायी जाए।

‘हर मंडल व जिले में बने रेन वाटर हार्डस्टिंग थीम पार्क’

लखनऊः शहरों में भूजल संचयन की चुनौती से निपटने के लिए शासन ने रेन वाटर हार्डस्टिंग थीम पार्क विकसित कराए जाने का निर्णय किया है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने नमामि गंगे विभाग की समीक्षा बैठक में मंडल व जिला स्तर पर रेन वाटर हार्डस्टिंग थीम पार्क विकसित कराने का निर्देश दिया। (राज्य)

जिलों में विकसित किए जाएंगे रेन वाटर हार्डस्ट्रिंग पार्क

अमर उजला अद्यौरे

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने मंडल एवं जिला स्तर पर रेन वाटर हार्डस्ट्रिंग थीम पार्क विकासित करने के निर्देश दिए हैं। नमामि गंगे विभाग की बुधवार को समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूजल संचयन एक चुनौती रहा है। जल का संरक्षण वर्तमान के साथ भवित्व के लिए भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न तरीकों के लाइब डिपोर्टेशन के माध्यम से आमजन को शिखित करना जरूरी है। इसके लिए एक मंडल तैयार कर रेन वाटर हार्डस्ट्रिंग

मूख्य सचिव ने की नमामि गंगे विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश, लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क को घुना गया।

जल संचयन की नवीनतम तकनीकी का उपयोग हो।

उन्होंने कहा कि जल बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। सभी जिलों में मानसून से पूर्व प्रार्थनिकता पर वर्षा जल को नष्ट होने से बचाने के उपायों को समय से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाए। समस्त शासकीय एवं अद्वासासकीय भवनों जैसे कार्यालय भवन, प्रार्थनिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, समृद्धायिक व्यवायापी और संचार व्यवस्थाएँ जल संचयन के लिए उपयोग करें। जल संचयन के लिए वर्षा जल का उपयोग हो।

उन्होंने कहा कि जल बहुत ही

बच्चों को फिल्म के जरिये करेंगे जागरूक

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य स्तर पर रेन वाटर हार्डस्ट्रिंग थीम पार्क गजाधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित किया जाए। यहाँ एक ऐसा सेंटर हो जहाँ बच्चों को ऐसे स्कॉल घर जल संचयन के विषय पर जानकारी देने के लिए फिल्म दिखाई जा सके। एक ओपन एंड ऑफिशियल भौं होना चाहिये, ताकि बच्चे वर्षा जल संचयन की जानकारी प्राप्त कर सकें। इस पार्क के माध्यम से वर्षा जल संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी।

अनिवार्य रूप से रूफटॉप रेनवाटर सरोवर का निरीक्षण करें। यदि कहीं जल हार्डस्ट्रिंग प्रणाली की स्थापन की जाए। प्रवाह में रुकावट हो, तो उस ठीक किया जाए। अमृत सरोवर निर्माणाधीन हो तो उसे जल्द पूरा करा लिया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव, एमडी जल निगम ग्रामीण राजशेखर, अथवा सार्वजनिक स्थलों में वर्षा जल संचयन के लिए जारी कराएं। जारी कराएं

ल
क
व
क

अ.
प्र
न

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे की बैठक संपन्न
रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित किये जाने पर किया गया विचार - विमर्श

संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी। जिन शासकों/आदर्शशासकों द्वारा भवनों

लखनऊ। मुख्य स

को अध्यक्षता में नामांग पर्णे विवाह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रमण एवं जनपद स्तर पर उचित विवाह सिद्धांतों का विवरण किया जाने पर विवाह-विवरण किया गया। सुधूर संघर्ष ने कहा कि शरीर की ओर में भूजल में संबंधन एक चुनौती रहा, जो कि संस्कृत न केवल विवाह पाठी के लिए वल्किं भवित्व की पांडी के लिए भी आवश्यक है। वर्चा जल संबंधन के विवरण तरीकों के लिए लाप्तवाचन्स्त्रुति में सम्बन्ध से आमजन की श्रितित करने को जगह रहता है, इसके लिये एक मीडल तैयार कर मरण एवं जनपद स्तर पर रेत वाटर हार्ड्वेयर का पार्क विवरण किया जाये। पार्क में वर्षा जल संबंधन



की नवीनतम लकड़ीकी का उपयोग किया जाये। उठाने के कहा कि वज्र स्तर पर रेन अटर हॉलोस्ट्रा थीम पार्क जैविक मिश्र पार्क में विकसित किया जाये। पार्क में आने वाले द्वारों के लिये एक डिजिटेटेटर ब्रेस्ट होना चाहिये, जिसमें प्लॉगिन पर बच्चों को जल संवर्धन के विषय पर जानकारी प्राप्त करने होते हैं। इसके अलावा एक ओपन एवर विषेष भौतिक संचयन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिये जबाद से जबाद डिजिटेटेटर ब्रेस्ट-होने की जरूरत है। इसके बाहर में वायरों से लोगों में वर्षा के जल संवर्धन के

जिन शासकीयों अद्वैतशक्तिये भवनों पर
रुफ़ाटप देवार द्वारा स्थापित ग्रामों की
स्थापना की थी। उनका निरीक्षण कर
सकती थी ममतन करा लिया जाए। ताकि
वे क्रियाशील रहे। नगरोंमें शेषोंमें अनेक
वाले सासास पालक अधिकारी आपके
नियन्त्रणमें रहा। शासकीयनक स्थानोंमें वर्षा
तन चंचलन के प्रभावों ऊपर फैल जाए।
उनपर के सभी अमृत सोरोवर का
यानी विद्युत कागज का खट्टी जल प्रवाह में
रुक्काव हो, तो ठीक किंवदन्ति
कहीं अमृत सोरोवर निर्माणाधीन हो तो
उसे शीघ्र पूरा करा लिया जाए। वैठक में
दूर मार्ग संचरन निर्माण गैरि उन्नर्ग
श्रीवास्तव, एम्डी जल निगम ग्रामीण
राजसोरोवर, एलडीए औरीसी इन्ड्रेपीय
नियांसु शहरन अन्य वैठक अधिकारीगण

आमर उजाला

जल जीवन मिशन की विशेष पहल: हर जिले में संचालित होंगे 40 जल सेवा केन्द्र, गर्मी में मिलेगा निशुल्क ठंडा पानी

अमर उजाला नेटवर्क, नोएडा Published by: आकाश दुबे Updated Fri, 31 May 2024 08:39 PM IST

सार

57999 Followers [उत्तर प्रदेश](#) ☆

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर जैसे शहर जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे।



जल जीवन मिशन के तहत लगा पायजल - फोटो: अमर उजाला

बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन के तहत विभिन्न शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाए जाएंगे। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीर, श्रद्धालु और आमजन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा और साफ पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर दो किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो हर वर्ग को मिलेगा, लेकिन इसका सबसे अधिक लाभ निर्धन लोगों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सावर्जनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखी जाती है, लेकिन ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

लखनऊ: गर्मी में बिना खर्च राहगीरों-शृद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे तीन हजार जल सेवा केंद्र, जगह भी की गई तय



जल जीवन मिशन, Jal Jeevan Mission, मौसम गर्मी

Jal Jeevan Mission: जल जीवन मिशन के तहत हर जिले में लगभग 40 जल सेवा केंद्र संचालित होगा। अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरों में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रमुख सचिव नमामि गंगे ने आदेश दिए। जल सेवा केंद्र पूरी तरह से निशुल्क...

लखनऊ: बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3 हजार से अधिक **जल सेवा केंद्र** चलाएंगा। ये **जल सेवा केन्द्र** एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, शृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल...

केंद्र लगाए जाएंगे। इससे शृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केंद्र शुरू किए जाएंगे। बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी जल सेवा केंद्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केंद्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी...



गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाएंगे 3000 जल सेवा केंद्र

-जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा



• हिन्दुस्तान टीम, लखनऊ

Fri, 31 May 2024 07:25 PM



-जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र

लखनऊ। विशेष संवाददाता

बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को निःशुल्क शुद्ध पेयजल मुहैया कराने को जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केंद्र चलाएगा। ये जल सेवा केंद्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे। यहां राहगीरों, शृद्धालुओं और आम जन को पीने के लिए ठंडा पानी मिल सकेगा। विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में यह व्यवस्था शुरू हो गई है।

इसका पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केंद्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां शृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। कुछ ऐसा ही बंदीबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा मिशन

जल जीवन मिशन अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जागरण

जल जीवन मिशन यूपी के शहरों में 3000 से अधिक सेवा केन्द्र चलाएगा, गर्मी में बिना खर्च थुक्केगी राहगीरों की प्यास

पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था थुक्क हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निश्चिल होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुदाग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र थुक्क करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।



गर्मी में विद्युत छापा दाफ़नीटो, श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएं तीव्र इनाम जल सेवा केन्द्र

डिजिटल डेटक, लखनऊ: बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ भाइ वाली जगहों पर राहगीरों को थुक्क पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्यास की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी गिल सकेगा। विशेषताएं पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, टेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे।
पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था थुक्क हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निश्चिल होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुदाग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र थुक्क करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पर जाने वाले रास्तों पर हट 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किरी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदीबर्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र थुक्क किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सावर्जनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में थुक्क पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में थुक्क पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसाल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हट घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास थुक्क पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हट जिले में गौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये ठीकें इस संकट की घड़ी में बैहतर काम कर सकती हैं।

गर्मी में बिना खर्च राहगीरों, श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे 3 हजार जल सेवा केन्द्र



लखनऊ : बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा।

ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहाँ राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा।

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केन्द्र

विशेषज्ञों पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी।

अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरियों में कम से कम 51 जल सेवा केन्द्र होंगे स्थापित

यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमुख सचिव नमामि गंगे ने जारी किए दिशा निर्देश

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहाँ श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहाँ पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे। जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा।

जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से निशुल्क

मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गावों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

लखनऊः गर्मी में बिना खर्च राहगीरों-शृद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे तीन हजार जल सेवा केंद्र, जगह भी की गई तय

Edited By शीर्षक सिंह | नवभारतटाइम्स.कॉम • 31 May 2024, 10:32 pm

Jal Jeevan Mission: जल जीवन मिशन के तहत हर जिले में लगभग 40 जल सेवा केंद्र संचालित होंगा। अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरों में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री योगी ...

लाइव इंडिकेटर

- जल जीवन मिशन की एक और नई पहल
- हर जिले में 40 जल सेवा केंद्र होंगे संचालित
- प्रमुख तीर्थ शहर में भी स्थापित होंगे जल सेवा केंद्र



जल जीवन मिशन

लखनऊः बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3 हजार से अधिक जल सेवा केंद्र चलाएगा। ये जल सेवा केंद्र एक बड़े प्याज की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, शृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होंगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केंद्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां शृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केंद्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केंद्र लगाए जाएंगे। इससे शृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बौद्धोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केंद्र शुरू किए जाएंगे।

बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केंद्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सावर्जनिक जगहों पर जल सेवा केंद्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

हर घर जल

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा, जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिमेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

यूपी के तीर्थ शहरों में लोगों की प्यास बुझाएगा मुफ्त जल सेवा केन्द्र, CM योगी के निर्देश पर नमामि गंगे की पहल

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है. मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुद्दैया कराएगा. प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है.



TV9 Bharatvarsh | Updated on: May 31, 2024 | 8:50 PM

तप्ती गर्मी को देखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या समेत राज्य के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर जल सेवा केन्द्र बढ़ाने का निर्देश दिया है. सरकार के निर्देश के मुताबिक जल जीवन मिशन इन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा. ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे. यहां राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जनों को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा. जानकारी के मुताबिक ये ये जलसेवा केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे.

खास बात ये कि मुख्यमंत्री के निर्देश के तुरंत बाद प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है. सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी. पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगीं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं.

अयोध्या में सबसे अधिक होंगे जल सेवा केन्द्र

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ यूपी के ऐसे शहर हैं, जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक होती है. यहां 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे. अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे. जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो. कुछ ऐसा ही उपाय वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा. इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे.

गरीबों को घर से बाहर भी साफ और ठंडा पानी

यूपी सरकार के जल सेवा केन्द्रों का सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा. उन्हें बिना खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा. आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं. इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है.

अमन यात्रा

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को १ कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई।



कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को १ कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराइ जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खेत नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दृष्टिपानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दृष्टि पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए। श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बब्दाई से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बब्दाई नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

जागरण

जल जीवन मिशन योजना का जायजा लेने कानपुर देहात पहुंचे नमामि गंगे के प्रमुख सचिव, लापरवाही पर अफसरों को लगाई फटकार; दिए निर्देश

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलाधारित विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भूजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी पंप समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।



जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे नमामि गंगे के प्रमुख सचिव

HIGHLIGHTS

1. जल जीवन मिशन योजना का जायजा लेने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव
2. लापरवाही मिलने पर अधिकारियों को लगाई फटकार
3. बोले- पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खेत नहीं

डिजिटल डेरक, कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलाधारित विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भूजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खेत नहीं होगी। जलाधारित बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिमेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने पानी के महत्व को लेकर महिलाओं से की पूछताछ

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दृष्टिपानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दृष्टिपेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।

श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी पी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिमेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा।

प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पित है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने किया जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण, कहा- लापरवाह अफसरों पर होगी सख्त कार्रवाई - Principal Secretary in Kanpur Dehat



By ETV Bharat Uttar Pradesh Team

Published : Jun 21, 2024, 10:31 PM IST

कानपुर देहात में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अफसरों की जमकर क्लास लगायी।



कानपुर देहात में प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव (बीटी लैन्डिंग- इंटीरी शर्ट)

कानपुर देहात: यूपी के जनपद कानपुर देहात में शुक्रवार को जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने के लिए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर पानी की सप्लाई रुकी, तो अब अफसरों की खैर नहीं। एजेंसी संचालक भी जेल जाने को भी तैयार रहें।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को जनपद कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। प्रमुख सचिव ने जनपद के मैथा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण किया। साथ ही निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी की टंकी, पंप समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच की और लोगों को जागरूक करने वाली टीम से भी मुलाकात की।

कानपुर देहात में प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने लापरवाह अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डाले जाने के तुरंत बाद ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। अगर गांवों में पानी की सप्लाई बाधित हुई, तो संबंधित अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। हालात अगर जल्द नहीं सुधरे, तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने गांव की महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर बात की और महिलाओं से दृष्टिपानी से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिये कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जाए और दृष्टिपेयजल पीने के नुकसान के बारे में लोगों को सचेत किया जाए। उन्होंने पानी की बर्बादी को लेकर अफसरों को वॉनिंग दी। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों। गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार ने शुद्ध पानी देने का संकल्प लिया है। बड़ी संख्या में गांवों में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है।

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे

June 22, 2024 / Knews India

- “ - पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं
 - एजेंसी संचालक जेल जाने को रहे तैयार
 - कानपुर देहात की परियोजना के निरीक्षण के दौरान बोले प्रमुख सचिव

कानपुर। 21 जून, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ल्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराइ जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात आगे जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दृष्टिपानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दृष्टिपेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।



श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव नमामि गंगे की खरी-खरी, कहा-पानी की सप्लाई रुकी तो खैर नहीं

By National News Vision - June 22, 2024

101 0



कानपुर। नमामि गंगे एवं यामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए।

कानपुर देहात में किया जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण

उन्होंने कहा कि पानी की सलाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खें नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दृष्टिपानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दृष्टिपेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।

श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है।

सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी।

सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

निष्पक्ष दस्तक

जल जीवन मिशन एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार-प्रमुख सचिव



प्रति वर्ष निष्पक्ष प्रतिवेदी कामकाजा देहात प्राप्त गोदान अनुभव लाभित

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे। पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं। एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार। कानपुर देहात की परियोजना के निरीक्षण के दौरान बोले प्रमुख सचिव।

कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि [पाइपलाइन](#) डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें। [प्रमुख सचिव](#) ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दृष्टिपानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दृष्टिपानी के नुकसान की जानकारी दी जाए।

श्री श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बुंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

पानी सप्लाई को लेकर सख्ती, अफसरों को फटकार... नमामि गंगे के प्रमुख सचिव का दौरा

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया।



नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने अफसरों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं। परियोजना के निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने सख्त लहजे में कहा कि एजेंसी संचालक जेल जाने को तैयार रहे। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। इस बीच उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

महिलाओं से की पूछताछ

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।

अफसरों को किया सचेत

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त

—

लखनऊ के जनेश्वर पार्क में रेन वाटर हार्डस्टिंग थीम पार्क: मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे विभाग की बैठक में लिया फैसला





थीम पार्क के रूप में विकसित करें रेन वाटर हार्ड्स्ट्रिंग: मुख्य सचिव

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे विभाग की हुई बैठक लखनऊ-



• हिन्दुस्तान टीम, लखनऊ

Wednesday, 26 June 2024 06:40 PM

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे विभाग की हुई बैठक

लखनऊ- विशेष संवाददाता

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि मंडल व जिला स्तर पर रेन वाटर हार्ड्स्ट्रिंग को थीम पार्क के रूप में विकसित किए जाने पर विचार-विमर्श किया जाए। मुख्य सचिव ने बुधवार को नमामि गंगे विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूजल संचयन एक चुनौती रहा है। जल का संरक्षण न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भविष्य के लिए भी जरूरी है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न तरीकों के सजीव प्रदर्शन के माध्यम से आमजन को शिक्षित करने की जरूरत है। इसके लिए एक मॉडल तैयार कर मंडल व जिला स्तर पर रेन वाटर हार्ड्स्ट्रिंग थीम पार्क विकसित किया जाए। पार्क में वर्षा जल संचयन की नई तकनीकी का उपयोग किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर रेन वॉटर हार्ड्स्ट्रिंग थीम पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित किया जाए। पार्क में आने वाले बच्चों के लिए एक केंद्र हो, जिसमें प्ले स्क्रीन पर बच्चों को जल संचयन की जानकारी देने के लिए फिल्म दिखाई जा सके। इसके अलावा एक ओपेन एअर थियेटर भी होना चाहिए, जिसमें बच्चे वर्षा के जल संचयन की जानकारी प्राप्त कर सके। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा डिजिटल तकनीकी का प्रयोग किया जाए। इस पार्क के माध्यम से लोगों में वर्षा के जल संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी। जल बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। मानसून से पहले प्राथमिकता पर वर्षा के जल बचाने के लिए जरूरी उपाय किए जाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय भवनों, कार्यालयों, प्राथमिक विद्यालयों, आगंनबाड़ी केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत भवन आदि पर अनिवार्य रूप से रूफटाप रेनवाटर हार्ड्स्ट्रिंग प्रणाली की स्थापना कराई जाए। अमृत सरोवर का निरीक्षण कराकर यदि कहीं जल प्रवाह में रूकावट हो, उसे ठीक किया जाए, यदि कहीं अमृत सरोवर निर्माणाधीन हो तो उसे शीघ्र पूरा करा लिया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित जै।